हिंदी दैनिक खबर
हर पल, हमारी खबर
केशववाणी

अनमोल वचन
गिर कर भी जो उठ जाता है,वही असली विजेता कहलाता है। वक्त चाहे कितना भी सख्त हो,हौसला अगर पक्का हो, तो रास्ता भी अपना बनता हो।

रविवार 28 जून 2026 वर्ष 02 अंक 168 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने देवीपद शहीद स्मारक विद्यालय का किया निरीक्षण, मॉडल स्कूल बनाने के दिए निर्देश

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना (बिहार)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को पटना स्थित देवीपद शहीद स्मारक (मिलर) उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया और इसके समग्र विकास के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विद्यालय को राज्य का एक आदर्श (मॉडल) विद्यालय बनाया जाए, जो बिहार के अन्य सरकारी विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत एवं अनुकरणीय बने। उन्होंने इसके लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं तथा बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विद्यालय में आवश्यक संसाधनों का विकास कर छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराया जाए ।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि सरकारी विद्यालयों के छात्र भी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें ।मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को विद्यालय के विकास कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया।

घर के बरामदे से 8 माह के मासूम का रहस्यमय अपहरण, गांव में सनसनी

केशववाणी कुमार अभिषेक की रिपोर्ट छबीलापुर (नालंदा)। नालंदा जिले के छबीलापुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर के बरामदे में परिजनों के साथ सो रहे आठ माह के एक मासूम बच्चे का रहस्यमय तरीके से अपहरण कर लिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है, जबकि परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। अपहृत बच्चे की पहचान महेश मांझी के आठ माह के पुत्र जनसुराज के रूप में हुई है। वह अपने चार भाई–बहनों में सबसे छोटा है। परिजनों के अनुसार रात में सभी लोग घर के बरामदे में सो रहे थे। देर रात जब उनकी नींद खुली तो देखा कि मासूम बच्चा अपने स्थान पर नहीं था। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना को लेकर परिजन गहरा संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि यह वारदात किसी बाहरी व्यक्ति के लिए अंजाम देना आसान नहीं था। उनका आरोप है कि गांव के कुछ लोगों की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी घटना संभव नहीं है। हालांकि, पुलिस अभी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कंचनपुर गांव में इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई। मासूम के अपहरण से गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। लोग जल्द से जल्द बच्चे की सकुशल बरामदगी की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद छबीलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस संबंध में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। छबीलापुर थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। बच्चे की बरामदगी और मामले के खुलासे के लिए लगातार छापेमारी एवं आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नीतीश से मुलाकात के बाद आरसीपी सिंह की जदयू वापसी की अटकलें तेज, बिहार की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना (बिहार)। बिहार की राजनीति में शनिवार को उस समय हलचल तेज हो गई जब पूर्व केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) ने मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। करीब चार वर्षों की राजनीतिक दूरी, आरोप–प्रत्यारोप और अलग–अलग राजनी. तिक दलों के साथ सफर के बाद हुई इस मुलाकात को राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मुलाकात के बाद आरसीपी सिंह ने सोशल मीडिया पर इसे आत्मीय भेंट बताया। वहीं मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ष्इंतजार कीजिए, समय–काल पर छोड़ दीजिए... हम तो जदयू में हैं ही, ऐसा मानकर चलिए।ष उनके इस बयान ने जदयू में संभावित वापसी की चर्चाओं को और हवा दे दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जदयू का पारंपरिक लव–कुश (कुर्मी–कोइरी) वोट बैंक हमेशा से उसकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। हाल के वर्षों में भाजपा द्वारा कोइरी समाज के नेताओं को प्रमुखता दिए जाने के बाद जदयू अपने पा. रंपरिक सामाजिक आधार को मजबूत बनाए रखने की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में कुर्मी समाज के प्रभावशाली नेता माने जाने वाले आरसीपी सिंह की संभावित वापसी को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से आरसीपी सिंह और नीतीश कुमार विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों, विशेषकर कुर्मी समाज के आयोजनों में एक साथ नजर आए थे। इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक दूरी कम होने के संकेत मिलने लगे थे। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि आरसीपी सिंह लंबे समय से मुख्यमंत्री से मिलने का प्रयास कर रहे थे। कुछ चर्चा. ओं में यह भी कहा जा रहा है कि इस मुलाकात का रास्ता तैयार कराने में मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार की भूमिका रही। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास पर आरसीपी सिंह अपने समर्थकों के साथ करीब 20 मिनट तक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के पहुंचने पर उन्हा. ंने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं के बीच औपचारिक मुलाकात हुई, लेकिन लंबी बातचीत की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई। आरसीपी समर्थकों का आरोप है कि वहां मौजूद कुछ नेताओं के कारण विस्तृत बातचीत नहीं हो सकी। हालांकि जदयू की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जन सुराज से दूरी बनने के बाद आरसीपी सिंह राजनीतिक रूप से नए विकल्प की तलाश में हैं, जबकि जदयू आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपने सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में यह मुलाकात दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक दृष्टि से अहम मानी जा रही है। हालांकि आरसीपी सिंह की जदयू में वापसी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसके बावजूद उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात और दिए गए बयान ने बिहार की राजनीति में नए समीकरणों की संभावनाओं को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। आने वाले दिनों में जदयू और आरसीपी सिंह की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर राजनीतिक दलों और विश्लेषकों की नजर बनी रहेगी।

एटीएम के कैश शटर में स्टील की प्लेट लगाकर करते थे ठगी, दो ठग को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजगीर(नालंदा)। पुलिस ने एटीएम से ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह की ठगी का तरीका बिल्कुल अलग है। ये गिरोह एटीएम मशीन के कैश शटर के पास स्टील की एक प्लेट चिपका देते थे। मशीन से निकलने वाले रुपये इस प्लेट में अटक जाता। निक. ालने वाले को लगता कि ट्रांजेक्शन फेल हो गया है। उसके जाते ही ठग स्टील की प्लेट को हटाकर रुपये निकाल लेते थे। थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव के केनरा बैंक की शाखा के पास एटीएम सेंटर से शुक्रवार की देर शाम इसी तरह की ठगी करते शाखा प्रबंधक व अन्य लोगों ने एक ठग को पकड़कर पुलिस की हवाले कर दिया था। उसकी पहचान नवादा जिला के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के बढ़ौना गांव निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई। उसकी निशानदेही पर नारदीगंज थाना क्षेत्र के बघमरवा गांव निवासी रौशन कुमार को पकड़ा गया। इनके पास से 1400 रुपये, स्टील प्लेट और दो मोबाइल मिले हैं। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि 25 जून को मोहनपुर के केनरा बैंक के एटीएम में एक ग्राहक के 3500 रुपये फंस गए थे। शिकायत पर पुलिस व बैंक प्रबंधन ने जाल बिछाया। अगले दिन शाम को जब दोनों आरोपी दोबारा उसी एटीएम पर पहुंचे, तो पुलिस ने घेराबंदी कर राहुल को रंगे हाथ दबोच लिया। उस वक्त बाहर रेकी कर रहा रौशन फरार हो गया, जिसे पुलिस ने मा. `बाइल ट्रेस कर तीन घंटे के भीतर राजगीर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने नालंदा, बिहारशरीफ, राजगीर और पटना में दर्जनों वारदातें कबूली हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

सड़क हादसे में घायल दो युवकों को सांसद कौशलेंद्र कुमार ने पहुंचाया अस्पताल, पेश की मानवता की मिसाल

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल दो युवकों की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की। नूरसराय जाने के दौरान उन्होंने सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े दोनों युवकों को अपनी गाड़ी से बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचाया, जिससे समय पर उनका इलाज शुरू हो सका। जानकारी के अनुसार सांसद कौशलेंद्र कुमार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए नूरसराय जा रहे थे। इसी दौरान ककड़िया मोड़ के समीप सड़क किनारे लोगों की भीड़ लगी देख उन्होंने अपना वाहन रुकवाया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़े हैं। सांसद ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद लोग केवल भीड़ लगाकर खड़े थे और 112 नंबर पर फोन करने की बात कर रहे थे। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने बिना देर किए अपने अंगरक्षकों की मदद से दोनों युवकों को अपनी गाड़ी में बैठाया और सीधे बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचाया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी सुरक्षित स्थान पर रखवाया। घायल युवकों की पहचान दीपनगर थाना क्षेत्र के देवीसराय मोहल्ला निवासी आकाश कुमार और ज्योति कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों बाइक से 17 नंबर मोड़ की ओर तगादा करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दोनों फल व्यवसाय से जुड़े बताए जाते हैं।घटना की जानकारी मिलते ही नालंदा के सिविल सर्जन, अस्पताल प्रबंधक एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारी सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचे और घायलों के उपचार की व्यवस्था का जायजा लिया।

दोनों का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में जारी है। इस मौके पर सांसद कौशलेंद्र कुमार ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना होने पर तमाशबीन बनने के बजाय घायलों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर अस्पताल पहुंचाने से किसी की जान बचाई जा सकती है। इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि दुर्घटना पीड़ितों की तत्काल सहायता करे। सांसद के इस मानवीय कदम की पूरे इलाके में सराहना हो रही है। लोगों ने कहा कि ऐसे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और दूसरों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश देते हैं।

पुलिस की तत्परता से लूट की कोशिश नाकाम हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट इसलामपुर (नालंदा)। इसलामपुर थाना पुलिस की त्वरित कारवाई से लूट की एक बड़ी वारदात टल गई। प्राप्त समाचार के अनुसार थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती सूढी पंचायत के मीना बाजार सड़क पर शुक्रवार की संध्या करीब 4रू30 बजे बाइक सवार दो अपराधियों ने एक साइकिल सवार युवक को हथियार का भय दिखाकर सोने का लॉकेट और मोबाइल लूटने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही इसलामपुर थाना पुलिस ने तत्काल कारवाई करते हुए घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों अपराधीयों को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने अपराधियों के पास से एक देसी कट्टा, 3.15 बोर का छह जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर प्लस मोटरसा. इकिल बरामद किया है। घटना के संबंध मे हिलसा 2 इसलामपुर डी ०एस०पी० कुमार ऋषि राज ने इसलामपुर थाना मे शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों को बताया कि शुक्रवार की संध्या में इसलामपुर थाना क्षेत्र के मीना बाजार मुख्य सड़क पर साइकिल से जा रहे इसलामपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी सत्येंद्र प्रसाद का पुत्र छोटू कुमार,अपने साइकिल से अपने गांव जा रहे थे , कि रास्ते मे बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया।बदमाशों ने हथियार का भय दिखाकर उसके गले से सोने का लॉकेट और मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया। लेकिन किसी तरह भुक्तभोगी व्यक्ति द्वारा घटना की जानकारी इसलामपुर थाना को दी गई।घटना की जानकारी मिलते ही इसलामपुर थाना पुलिस सक्रिय हुई और त्वरित तत्परता दिखाते हुए दोनों बदमाशों को एक देशी कट्टा,3.15 बोर का छरूजिंदा कारतूस तथा पांच मोबाइल फोन एवं घटना मे प्रयुक्त स्प. लेंडर मोटरसाइकिल के साथ मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सतर्कता के कारण लूट की घटना सफल नहीं हो सका डीएसपी कुमार ऋषि राज ने कहा कि हथियार के साथ गिरफ्तार दोनों बदमाश खोदागंज थाना क्षेत्र के झरिया विगहा गांव निवासी अर्जुन प्रसाद का पुत्र सुनील कुमार उर्फ गोलू कुमार (उम्र लगभग 20 वर्ष) जबकि दूसरा आरोपी इसलामपुर थाना क्षेत्र के भग. वानपुर चोरा विगहा गांव निवासी रामनन्दन प्रसाद का पुत्र सुशांत कुमार उर्फ मुन्ना (उम्र लगभग 19 वर्ष) शामिल है। डीएसपी ने बतलाया कि इस संबंध में इसलामपुर थाना मे प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कारवाई की जा रही है। छापेमारी टीम मे इसलामपुर थानाध्यक्ष रणविजय कुमार , पु०अ०नि प्रवीण कुमार उपाध्याय , सिपाही संतोष कुमार, डिंपल कुमारी,जंटू कुमार सहित अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

इस्लामपुर रेलवे स्टेशन पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, नशा मुक्त भारत का दिलाया गया संकल्प

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट इसलामपुर (नालंदा)। इस्लामपुर रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नालंदा तथा अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, हिलसा के संयुक्त तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विषय नालसा DAWN योजना–2025 के तहत नशा मुक्त भारत के लिए मादक पदार्थों के प्रति जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन–मार्गदर्शन रहा। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नालंदा के अध्यक्ष सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशांत कुमार तथा सचिव राजेश कुमार गौरव एवं अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, हिलसा के अध्यक्ष सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार पाण्डेय तथा सचिव सह एसडीजेएम कुमारी सावित्री के संयुक्त मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पैनल अधिवक्ता विजय कुमार एवं पीएलवी आलोक कुमार ने किया। शिविर की शुरुआत में पीएलवी आलोक कुमार ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के गठन एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इसका गठन वर्ष 1987 में हुआ था तथा यह 9 नवंबर 1995 से पूरे देश में प्रभावी है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य गरीब, वंचित, आर्थिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, असहाय, अनुसूचित जाति–जनजाति, म. हलाओं, बच्चों, किन्नर समुदाय सहित जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। साथ ही समय–समय पर मध्यस्थता (मेडिएशन) एवं राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन भी किया जाता है। पैनल अधिवक्ता विजय कुमार ने बताया कि नालसा DAWN–2025 योजना का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम, जन–जागरूकता बढ़ाना तथा प्रभावित व्यक्तियों एवं उनके परिवारों को कानूनी एवं सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्हा. ेने कहा कि योजना के तहत युवाओं और बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने, कानूनी जागरूकता फैलाने, पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करने तथा जिला स्तर पर DAWN यूनिट की स्थापना कर प्रभावी नशा निवारण व्यवस्था विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत में मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौतियां उत्पन्न कर रही है। ऐसे में जागरूकता, कानूनी सहायता, पुनर्वास और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से इस समस्या का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। नालसा DAWN–2025 योजना का उद्देश्य स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त भारत का निर्माण करना है। शिविर में जीवन को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें के संदेश के साथ उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने एवं समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया। रेलवे स्टेशन परिसर में उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर उप स्टेशन प्रबंधक सत्येन्द्र बहादुर, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश खन्ना, सत्येन्द्र प्रसाद, सूरज कुमार, नरेश प्रसाद, विरेन्द्र पंडित, अमिरक पंडित, दीपक कुमार, रंजीत कुमार, विपिन कुमार, राम बाबू यादव, पवन कुमार, रेखा देवी, ललिता देवी, कुमकुम देवी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर नशा मुक्ति एवं विधिक जागरूकता का संदेश ग्रहण किया।

जनजीवक संघ की बैठक में आरएमपी के अधिकारों पर चर्चा, गांवों में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने का निर्णय

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। जनजीवक संघ की आवश्यक बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संघ कार्यालय, बिहारशरीफ में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश महासचिव डॉ. विपिन कुमार सिन्हा ने की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीण मेडिकल प्रैक्टिशनरों (आरएमपी) ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव डॉ. विपिन कुमार सिन्हा ने कहा कि जो प्रैक्टिशनर नर्सिंग होम या अस्पताल संचालित कर ऑपरेशन जैसे चिकित्सकीय कार्य करते हैं अथवा नर्सिंग होम का बोर्ड लगाकर प्रैक्टिस कर रहे हैं, वे जनजीवक संघ की सदस्यता के दायरे में नहीं आते। ऐसे संस्थानों का नियमानुसार क्लीनिक पंजीकरण कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो ग्रामीण मेडिकल प्रैक्टिशनर केवल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराते हैं, उन्हें क्लीनिक का पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी आरएमपी को अनावश्यक रूप से पंजीकरण कराने के लिए बाध्य किया जाता है तो जनजीवक संघ इसका विरोध करेगा और उनके हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाएगा। डॉ. सिन्हा ने सभी प्रैक्टिशनरों से अपने–अपने क्षेत्र में समय–समय पर निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर ग्रामीण मरीजों को प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य संबंधी उचित परामर्श तथा आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।बैठक में संगठन की मजबूती, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने तथा आरएमपी के अधिकारों एवं दायित्वों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों से जनहित में सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार, डॉ. श्याम किशोर प्रसाद, डॉ. भोला प्रसाद, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. निसार अहमद, डॉ. बालमुकुंद प्रसाद, डॉ. संजय कुमार, डॉ. निरंजन प्रसाद सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शशि भूषण प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज जन्मोत्सव पर उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान

केशववाणी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सुभाष सरोवर शाखा, कोलकाता में शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम हिंदू राष्ट्र के चरण में संकल्प के साथ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ परम पवित्र भगवा ध्वज के समक्ष ध्वज प्रणाम के साथ हुआ। इसके बाद स्वयंसेवकों ने सूर्य नमस्कार, सुभाषित पाठ तथा सामूहिक गान प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। मुख्य अतिथि ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके अदम्य साहस, दूरदर्शी नेतृत्व एवं हिंदवी स्वराज्य की स्थापना में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन राष्ट्रभक्ति, चरित्र निर्माण, संगठन शक्ति और जनकल्याण की प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित स्वयंसेवकों से शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।नगर कार्यवाह मनोज कुमार ने दैनिक शाखा के महत्व, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति तथा समाज निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि नियमित शाखा के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन और सामाजिक समरसता की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था गंगा प्रसाद पासवान के निर्देशन में संपन्न हुई, जबकि वरिष्ठ कार्यकर्ता मनोज डालमिया ने प्रसाद वितरण की जिम्मेदारी संभाली। आयोजन को सफल बनाने में जितेंद्र कुमार शजितेशश, अजय शॉ, साहेब हरि, भीम सिंह, निर्मल घोष तथा कृष्णा शॉ सहित अन्य स्वयंसेवकों ने भी सक्रिय सहयोग दिया। संघ प्रार्थना एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

सिपाही (प्रचालक) भर्ती परीक्षा को लेकर 23 परीक्षा केंद्रों के 500 गज दायरे में धारा 163 लागू

केशववाणी गुड्डू कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) पद के लिए रविवार, 28 जून 2026 को बिहारशरीफ अनुमंडल मुख्यालय के 23 परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी, नालंदा के संयुक्त आदेश के आलोक में अनुमंडल दंडाधिकारी, बिहारशरीफ किसलय श्रीवास्तव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत सभी परीक्षा केंद्रों के 500 गज की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जारी आदेश के अनुसार परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के 500 गज के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, शस्त्र लेकर चलने तथा परीक्षा संचालन के दौरान अनधिकृत आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के घातक हथियार, जैसे लाठी, भाला, गड़ासा एवं आग्नेयास्त्र (लाइसेंसी हथियार सहित) लेकर चलना भी प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षार्थियों को केवल आवश्यक लेखन सामग्री ले जाने की अनुमति होगी। मोबाइल फोन सहित किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक अथवा आपत्तिजनक सामग्री परीक्षा केंद्र के भीतर ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने परीक्षा के दिन सुबह 9 बजे से परीक्षा समाप्त होने तक सभी परीक्षा केंद्रों के 500 गज के दायरे में स्थित फोटोस्टेट दुकानें, साइबर कैफे एवं कोचिंग संस्थानों को बंद रखने का निर्देश दिया है। साथ ही लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र पुलिस बल की स्टैटिक प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा गश्ती दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की भी तैनाती रहेगी, ताकि कानून–व्यवस्था बनी रहे और परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। हालांकि, यह निषेधाज्ञा परीक्षा ड्यूटी में तैनात दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों, शवयात्रा तथा ऐसे व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी जो शारीरिक कारणों से लाठी के सहारे चलने को विवश हैं। यह आदेश 28 जून 2026 को आयोजित परीक्षा की अवधि तक सभी 23 परीक्षा केंद्रों के 500 गज के दायरे में प्रभावी रहेगा।

सदर अस्पताल में औचक निरीक्षण के दौरान 21 चिकित्सक मिले अनुपस्थित, व्यवस्था सुधारने के दिए गए निर्देश

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। जिलाधिकारी श्रीमती उदिता सिंह के निर्देश पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन कुमार सिन्हा एवं उप विकास आयुक्त रंजन कुमार चौधरी ने 26 जून 2026 को सदर अस्पताल, बिहारशरीफ का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था, चिकित्सकों की उपस्थिति, साफ–सफाई एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। सबसे पहले आकस्मिक (इमरजेंसी) विभाग का निरीक्षण किया गया। इस दौरान केवल डॉ. संत कुमार, डॉ. महेंद्र कुमार एवं डॉ. सावन सुमन ही उप. स्थित मिले। ऑपरेशन थिएटर में ड्यूटी पर तैनात डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. राजीव रंजन अनुपस्थित पाए गए। उपस्थिति पंजी की जांच में पता चला कि सदर अस्पताल में कुल 48 चिकित्सक पदस्थापित हैं, जिनमें से 21 चिकित्सक निरीक्षण के समय अनुपस्थित थे। जबकि मुहर्रम पर्व को लेकर सभी चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों को अपने–अपने कार्यस्थल पर रेडी मोड में रहने का निर्देश पहले से जारी था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में चिकित्सकों एवं कर्मियों की अनुपस्थिति को गंभीर लापरवाही माना गया। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि 26 जून को गोली लगने से घायल त्रिभुवन पंडित को उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया था, लेकिन सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें रेफर करना पड़ा। इतना ही नहीं, आकस्मिक विभाग के मरीज पंजी में उनका नाम भी दर्ज नहीं किया गया था। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि भविष्य में प्रत्येक मरीज का नाम अनिवार्य रूप से पंजी में दर्ज किया जाए। प्रबंधक मोहम्मद इमरान ने बताया कि चिकित्सकों का रोस्टर प्रत्येक दो दिन पर बनाया जाता है। हालांकि निरीक्षण के दौरान रोस्टर उपलब्ध नहीं कराया जा सका। बाद में एक अन्य रोस्टर प्रस्तुत किया गया, जिससे अधिकारियों ने संदेह जताया कि अस्पताल में दो अलग–अलग रोस्टर तैयार किए जा रहे हैं। उपस्थिति पंजी और रोस्टर में भी कोई मेल नहीं पाया गया। प्रबंधक ने बताया कि उपाधीक्षक एवं सर्जन डॉ. राजीव रंजन अपने पिता के निधन के कारण अनुपस्थित थे। अधिकारियों ने कहा कि मुहर्रम के मद्देनजर उनके स्थान पर किसी अन्य सर्जन की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए थी, जो नहीं की गई।निरीक्षण के दौरान आकस्मिक विभाग के बेड गंदे पाए गए, जबकि प्रतिदिन चादर बदलने का प्रावधान है। इस संबंध में प्रबंधक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

जनरल वार्ड के मरीज सुधांशु कुमार, लड्डू कुमार एवं पूनम देवी ने बताया कि उन्हें भोजन नहीं मिला, जबकि सरकार द्वारा प्रत्येक मरीज को भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। वहीं प्रसूति वार्ड में भर्ती पूनम कुमारी ने बताया कि उन्हें डि. स्चार्ज तो कर दिया गया, लेकिन दवा नहीं मिलने के कारण अस्पताल में ही रुकना पड़ा। डिस्चार्ज होने के कारण उन्हें भोजन भी नहीं दिया गया। अधिकारियों ने इस व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। एएनसी वार्ड में एक मरीज ने शिकायत की कि लगातार उल्टी होने के बावजूद अस्पताल में उल्टी करने के लिए कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इस पर अधिकारियों ने तत्काल आवश्यक सं. साधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एम्बुलेंस व्यवस्था की समीक्षा में बताया गया कि अस्पताल में कुल सात एम्बुलेंस हैं और सभी चालू अवस्था में हैं। इनमें दो अस्पताल परिसर में, दो मुहर्रम ड्यूटी में, दो मरीजों को लेकर बाहर गई थीं तथा एक एम्बुलेंस पटना रेफर मरीज के साथ गई थी। हालांकि एम्बुलेंस संचालन का अलग रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया गया। अधिकारियों ने तत्काल एम्बुलेंस परिचालन रजिस्टर संधारित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अस्पताल का सीटी स्कैन खराब होने के कारण मरीजों को पावापुरी विम्स भेजना पड़ रहा है। प्रबंधक ने बताया कि 27 जून तक सीटी स्कैन मशीन ठीक हो जाने की संभावना है। निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि सिविल सर्जन एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा नियमित अनुश्रवण नहीं किए जाने के कारण लगातार ऐसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सिविल सर्जन को प्रतिदिन अस्पताल की निगरानी करने, चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ का व्यवस्थित रोस्टर तैयार कर उपस्थिति सुनिश्चित करने, बरसात के मौसम को देखते हुए सर्पदंश की पर्याप्त दवाएं उपलब्ध रखने तथा अस्पताल परिसर की साफ–सफाई एवं मरीजों को सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में डीएम ने सुनीं 33 फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा की जिला. धिकारी श्रीमती उदिता सिंह ने शनिवार को आयोजित दैनिक जनता दरबार में 33 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनता दरबार में एक आवेदक ने विद्यालय में कथित अवैध वसूली की शिकायत करने पर बिना कारण बताओ नोटिस के षड्यंत्रपूर्वक निलंबित किए जाने तथा शुद्धि पत्र जारी होने के बावजूद बहाली नहीं होने की शिकायत की। इस मामले की जांच एवं कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को निर्देशित किया। जोरारपुर गांव के एक आवेदक ने राजस्व कर्मचारी द्वारा बिना रिश्वत लिए कार्य नहीं करने की शिकायत की। इस मामले को जिलाधिकारी ने जिला निगरानी समिति को भेजते हुए जांच के निर्देश दिए।रैयती भूमि पर निर्धारित हिस्से से अधिक कब्जा करने, इस्लामपुर बाईपास पथ निर्माण योजना के अंतर्गत मौजा धामौली में गलत मापी किए जाने, हिस्से की जमीन पर जबरन मकान निर्माण नहीं होने देने, जमीनी विवाद तथा बड़े पुत्र द्वारा कथित रूप से धोखे से शेष जमीन के दाखिल–खारिज पर रोक लगाने से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को जांच एवं निष्पादन के लिए सौंपा गया। अस्थावां प्रखंड के मलावा गांव में हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए स्थानीय विद्यालय भवन में शिक्षण व्यवस्था शुरू कराने संबंधी आवेदन पर जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस्लामपुर प्रखंड में मालगुजारी रसीद काटने के लिए कथित रूप से अवैध राशि मांगने तथा गैरमजरूआ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने से संबंधित मामलों के निष्पादन के लिए भी अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। इसके अलावा जनता दरबार में प्राप्त अन्य सभी आवेदनों को भी संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेजते हुए जिलाधिकारी ने समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।